राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40/- संख्या 2460
क्यों है नागराज
BOMB
DISPOSAL
SQUAD
BOMB
DISPOSAL
SQUAD
BOMB DIFFUSING
KIT
304
23

संजय गुप्ता प्रस्तुत करते हैं-

राज कॉमिक्स है मेरा जुनून!

क्यों है नागराज

लेखक	चित्रांकन	इंकिंग	इफैक्ट्स	कैलिग्राफी	सम्पादक
जॉली सिन्हा, अनुपम सिन्हा	अनुपम सिन्हा	गौरव श्रीवास्तव	सुनील	हरीश शर्मा	मनीष गुप्ता

जब मुसीबत पर मुसीबत आती हैं तो बड़े-बड़ों का भी अपने विश्वास पर से विश्वास डगमगा जाता है।
पर महानगर वाले ये भी जानते हैं कि नागराज उनके विश्वास को चाहे डगमगा दे, पर तोड़ेगा कभी नहीं।
चाहे वह खुद टूट जाए।
ओगोटो की राजधानी जांबीलिया में-
आपका डॉक्टर जुलू को महानगर में काउंसुलेट बनाकर भेजने का आइडिया एक दम सही था।
और लाइव टेलिकास्ट वाला भी।
अब नागराज हमारे जाल में फंस चुका है।
वहां से उसकी लाश ही बाहर जाएगी।
तूने बताया नहीं नागराज। सलाख तेरे पुतले की खोपड़ी में घुसाऊं या सीने में।
ऐसी कोशिश तू पहले भी कर चुका है जुलू।

मेमोरी का रिफ्रेश बटन दबाने के लिए शुक्रिया। पर अब मेरा वूडू और पॉवरफुल हो चुका है।

वैसे भी तुझे मार कर मैं तुझ पर एहसान ही कर रहा हूं।

क्योंकि तेरे इस इमारत में चोरों की तरह घुसने की हरकत का लाइव टेलीकास्ट किया गया है।

पूरा महानगर अब तुम को उनकी नाक कटने का जिम्मेदार मान रहा है।

लाइव टेलिकास्ट।

वह भी भारती चैनल के द्वारा।

झूठ क्यों बोलूं भाई?

था!

ऐसा षड्यंत्र रचने के लिए धन्यवाद।

धन्यवाद!! क्यों?

यानी तुम लोगों को इस बात का पूरा एहसास था कि मैं यहां पर आऊंगा जरूर।

क्योंकि ऐसा करके तुमने चोर की दाढ़ी में तिनका होना सिद्ध कर दिया है।

और अब तुम्हारे ही टेलीकास्ट के कारण पूरी दुनिया तुम्हारा झूठ भी देख चुकी होगी।

गलत!

प्रसारण तभी रोक दिया गया था जब तुमको सैनिकों ने रोका था।

और अब वक्त है तुम्हारी सांसों के रुकने का?

हमने तुमको चोर साबित कर दिया है! अब समय है...

कारीडोर के इस वूडू प्रतिरूप से...

"तुम्हारी लाश के नीचे मेट्रो गेम्स के इरादों को दफन करने का।"

ये...ये क्या?
क्या व्यूह में ऐसा भी हो सकता है!!!
बिल्डिंग का व्यूह प्रतिरूप भी बन सकता है।
ओहो! थोड़ी प्रेक्टिस में कमी रह गई। निशाना चूक गया!!!
चट्टान तेरे पुतले के सिर पर नहीं गिरी।
"पर मेरे पास गलती सुधारने के लिए बहुत समय है। क्योंकि फिलहाल तू तो हिल भी नहीं सकता।"
आह! ये सही कह रहा है। इसने मुझे मारने का तरीका सोच रखा है।
अगर एक भी चट्टान मुझ पर गिर गई तो मुझे कुचले जाने से मेरी कोई शक्ति बचा नहीं सकती। कुछ तो करना ही होगा।
कोई खास चीज।
ये...ये कैसे हो सकता है। तुझे दर्द नहीं हो रहा है? तेरे अंग सुन्न नहीं हो रहे हैं??
मेरे तो नहीं पर तेरे जरूर सुन्न हो रहे हैं।
रुक जा। रुक जा। वर्ना ये...ये सलाख मैं सीधी तेरी खोपड़ी में घुसा दूंगा।
आSSSSह
तुम मेरी ऐसी ही चीख सुनना चाहते थे न।
असंभव। मेरा एडवांस्ड व्यूह फेल नहीं हो सकता।

आर्घघघघघ!
चटाक
फटाक
हाहाहा! शायद इसकी इच्छाधारी शक्ति इसको सिर में घुसी सलाख से बचा रही थी।
पर आखिरकार जुलू से ये बच नहीं सका।
हाहाहा
हाहाहाहा!
धाड़
पर तू अभी भी कैसे चल रहा है? ये...ये जरूर रिफ्लेक्स एक्शन के कारण है।
जिसमें गर्दन कटने के बाद भी इंसान चलता रहता है।
...पर ये रिफ्लेक्स एक्शन नहीं है।
ये कैसी भुतिया शक्ति आ गई है नागराज में?
अरे! अरे! ये वूडू मॉडल! अगर ये इस तरह से टूट गया तो पहले ये पूरा कॉरीडोर टूटेगा और फिर पूरी इमारत ध्वस्त हो जाएगी।

नहींSSS! अब तो
इस वूडू मॉडल पर एंटी वूडू
फूंकने का भी समय
नहीं है।

किसने पकड़ा
मॉड...? एक....
एक और नागराज।
दीवार के अंदर से।
और वह भी गर्दन
कटा हुआ।

ये सोचना छोड़। ये सोच
कि अगर ये बिल्डिंग ही टूट जाए
तो प्रतिरूप का क्या होगा?
और तेरा
क्या होगा?
इसने तो सचमुच छत
तोड़ दी। ओफ्! इसकी शक्तियां तो
मेरे अनुमान से कहीं ज्यादा हैं। इसको इस
तरह से फंसाने की कोशिश करना मेरी
जिंदगी की सबसे बड़ी भूल है।
और शायद
आखिरी भी।

मेरे पास इससे
निपटने के लिए इसकी वूडू
गुड़िया तक नहीं है।
तू डर रहा है न कि
ये प्रतिरूप टूटेगा तो पूरी
इमारत टूट जाएगी।
अरे तू...
तू बड़ा कैसे हो
रहा है?

पर ये
असंभव है।

आऊSSSअSSS
अच्छा! तो ये नागराज का तीव्र सम्मोहन था! ताकि उसको संभलने का समय मिल सके!
मैं न तो अब तेरी कोई चाल चलने दूंगा नागराज!
...और न ही तेरी सांसें! तेरी लाश, एक अपराधी की लाश की तरह महानगर की उसी पुलिस और जनता के हाथों में सौंपी जाएगी जो तुझे हाथों हाथ लेने के आदी हैं!
अलविदा...
नागराSSSSSSSSSSSज! आSSSह!
मेरा हाथ सुन्न क्यों हो रहा है!

डॉक्टर जुलू को अपनी ही दवाई से एलर्जी हो रही है।
तू...तू वूडू जानता है। असंभव। ये हो ही नहीं सकता।
जानता नहीं पर सीख तो सकता हूं ना।
तुमने बिल्कुल सही समय पर मुझसे संपर्क किया।
और सही समय में मुझे जुलू के तंत्र का तरीका शॉर्ट कट में बता दिया...
थैंक्यू, भारती।
एनी टाइम नागराजा वैसे धन्यवाद अपने नाग को कहो जो तुम्हारा आदेश मिलते ही मुझे ढूंढता हुआ सही समय पर मेरे पास आ गया।
तुम वूडू तंत्र के मास्टर होगे डॉक्टर जुलू पर मैंने भी अभी-अभी वूडू में क्रैश कोर्स लिया है।
और तुम सिर्फ दर्द देने के आदी हो, दर्द सहने के नहीं। तुम्हारा खेल खत्म हुआ, जुलू।
और अब तुम मेरे साथ अपराधी की तरह चलकर महानगर की जनता और पुलिस को सच्चाई बताओगे।

इस बार मैं हार नहीं मानूंगा नागराज। मुझे तुमको ठिकाने लगाने का काम सौंपा गया है।

और यह काम मैं...

कड़ाक

अपनी जान देकर भी पूरा करूंगा।

"क्योंकि अगर नहीं पूरा करूंगा..."

"तो भी जान तो बचेगी नहीं।"

डॉक्टर ज़ुलु! ये तुमने क्या किया। बचाओ अपने आपको। मैंने तुमको वृक्ष से आजाद कर दिया है।

ओफ्! मैं अपने कारण ज़ुलु की जान नहीं जाने दूंगा।

कभीSSS नहीं...!

भारती न्यूज चैनल पर हो रहे लाइव टेलिकास्ट के कारण एंबेसी के बाहर मीडिया की भारी भीड़ जमा हो गई थी।
वाऊ! एंबेसी का पूरा एक विंग गिर गया! शॉट कैप्चर कर लिया न?
ये जरूर नागराज का ही काम होगा।
नागराज बहक गया है। अब वह अपनी हदें पार कर गया है।
मुझे तो लगता है कि वह दुनिया की हद पार कर गया है। इस मलबे में दबकर तो नागराज भी बच नहीं सकता।
हमारे ठीक पीछे एंबेसी का जो विंग गिरा है सूत्रों के अनुसार नागराज की आखिरी लाइव फीड उसी लोकेशन से आई थी।
पता नहीं अब हमको नागराज से उसका पक्ष जानने का मौका मिल भी पाएगा या नहीं। वह जिंदा बचा भी है या नहीं पर इस हादसे में कई एंबेसी कर्मियों के मरने की भी आशंका है। ये घटना शर्तिया तौर पर अंतर्राष्ट्रीय हंगामा खड़ा करने जा रही है।
लो आ गई मदद! जल्दी ही घायल और मृतकों के आंकड़े पता चल जाएंगे।
मृतक ही ज्यादा होंगे।
वो...वो देखो!
मलबा हिल रहा है। अंदर कोई गैस की पाईप लाइन तो नहीं टूटी है।
नहीं! अगर मलबा अंदर से हट रहा है तो इसका एक ही अर्थ है।

"कि नागराज जिंदा है।"
पीछे हटो। सब पीछे हटो। अंदर दबे लोग अभी जिंदा हैं। मुझे उनको जल्दी बाहर निकालना है।

कमाल है यार।

ऐसा बचाव अभियान तो मैंने पहले कभी नहीं देखा।
ये नागराज का रेस्क्यू मिशन है अनोखा तो होगा ही ना।

"हथौड़े को वहां पर भेज दिया है।"

नागराज, तुमको हिरासत में लिया जाता है।

तुम पर लोगोटो के विदेश मंत्रालय ने अनाधिकृत प्रवेश और तोड़ा फोड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं।

नागराज, बहुत तेजी से पूरे भारत की शर्मिंदगी बनता जा रहा था।

लोगोटो के विदेश मंत्रालय ने नागराज पर गंभीर आपराधिक आरोप लगाए हैं। और सूत्रों की मानें तो वे नागराज को लोगोटो डिपोर्ट कराने की मांग भी रखेंगे ताकि नागराज पर मुकदमा लोगोटो में चलाया जा सके। अगर ऐसा हुआ तो मेट्रो गेम्स की मेजबानी भी जांबीलिया को दी जा सकती है।

क्या हो गया है नागराज को? एक खेल आयोजन को इतना सीरियसली लेना तो सचमुच पागलपन की निशानी है।

जहां भी मारपीट की न्यूज आती है, नागराज का जिक्र जरूर होता है। अरे कोई ये तो बताए कि अगर मुसीबतें बुलाना ही नागराज का काम है तो...

क्यों है नागराज?

नागराज के खिलाफ जनाक्रोश लोगोटो के साथ-साथ हिंदुस्तान में भी बढ़ता जा रहा था।

और नागराज का इस स्थिति से बच पाना असंभव लग रहा था।
पर क्यों? क्या आरोप है मेरे खिलाफ?
तुम पर लोगोटो की एंबेसी में बिना कारण प्रवेश करके तोड़-फोड़ करने का गंभीर आरोप है।
और सुबूत?
सुबूत वह न्यूज क्लिप है जो भारती चैनल पर लाइव दिखाई गई है।
जूलू ने बताया था कि टेलीकास्ट को वहीं पर रोक दिया गया था...
जहां से लोगोटो के षड्यंत्र का पर्दाफाश हो सकता था।
पर वह सुबूत मैं दूंगा।
कहां है सुबूत?
वह विडियो क्लिप जिसमें डॉक्टर जूलू लोगोटो के षड्यंत्र की पुष्टि कर रहा है।
विडियो क्लिप! तुम्हारे पास कैमरा कहां से आया?
कैमरे तो लाखों की संख्या में हमेशा मेरे शरीर में रहते हैं।
ये नाग जिनकी आंखों में किसी भी घटना की अमिट छाप छूट जाती है।
और मेरे आदेश पर ये उस छाप को...
प्रोजेक्ट भी कर सकते हैं। आप खुद देख सकते हैं।
ये डॉक्टर जूलू है। इंटरपोल द्वारा नामित शातिर अपराधी, जिसको सिर्फ मुझे सुबूतों तक पहुंचने से रोकने के लिए लोगोटो का एंबेसेडर बना कर भेजा गया था।

...इससे लोगोटो की नियत का साफ पता चलता है।
हुम। पर इसमें आवाज नहीं है। ये सुबूत ठोस तो हैं, पर पुख्ता नहीं।
पुख्ता सुबूत भी मिल जाएंगे। इस इमारत के अंदर अभी भी वे अपराधी छुपे हुए हैं जिन्होंने मेट्रो गेम्स में रुकावट डालने की कोशिशें की थीं।
ये झूठ है। और एक झूठ की बुनियाद पर हम पुलिस को एंबेसी में घुसने की इजाजत नहीं दे सकते। गिरफ्तार करो इसे।
सुबूत हम हैं, सर।
हम अब झूठ नहीं बोल सकते।
नागराज सच के साथ है। हमने नागराज पर हमला किया। उसको मारने की कोशिश की पर उसी ने हमको बचाया।
यानि नागराज निर्दोष है। अपराधी लोगोटो वाले हैं।
मैं तो पहले ही कह रही थी।
अच्छा। तू तो कह रही थी कि क्यों है नागराज।

हां। अगर नागराज हमको न बचाता तो मशीनों द्वारा मलबा हटाने तक तो हम मर चुके होते। हमारे तानाशाह जनरल ने मेट्रो गेम्स में व्यवधान डालने के लिए अपराधी भेजे थे।
वे अपराधी अभी तक एंबेसी में ही हैं। और जनरल के आदेश के कारण हमको अपना ईमान मार कर उनकी सुरक्षा करनी पड़ी।
ये जनरल सिर्फ तानाशाह ही नहीं अपराधी भी है।
नाक कटा दी इसने हमारी।
अब हम मरें या जिएं। जनरल को उखाड़ फेकेंगे।
आक्रोश के सैलाब ने जांबीलिया की जनता के सोए हुए गौरव को जगा दिया था।
जनरल साहब! आपके पैलेस को लाखों नागरिकों ने घेर लिया है। आपकी सेना भी उनके साथ जा मिली है।
अ...अब मैं क्या करूं? मेरा तो हैलीकॉप्टर भी आर्मी का ही है।
एक आखिरी सलाह जनरल।
ढूंढो जनरल को।
बोटी, बोटी अलग कर देंगे उसकी। कहां है वह जांबीलिया के चेहरे का दाग।
नागराज ने बिना जांबीलिया में पैर धरे जनरल का तख्ता पलट दिया था।
और अब न तो उसके ऊपर कोई आरोप बचे थे और न ही आरोप लगाने वाले।
दस मिनट में दो लाख की भीड़ जमा हो गई!! और जनरल भाग गया। ऐसा 'टेली-तख्ता पलट' तो मैंने कभी देखा न सुना और न ही सोचा।

ओ! हम अपनी गलती मानते हैं। बेस्ट ऑफ लक फॉर मेट्रो गेम्स।
एक पेचीदा घटनाक्रम का सुखद अंत हो रहा था।

और मेट्रो गेम्स की राह में अब कोई रोड़ा नहीं था। सभी चाहते थे कि मेट्रो गेम्स हों और समय पर हों। नागराज भी, महानगर भी, हिंदुस्तान भी...
और ऐसा कोई और भी जिसका हिंदुस्तान से कोई लेना देना नहीं था।
सर, गड़बड़ हो गई। वहां जांबीलिया में तो तख्ता पलट हो गया। मैंने शू-केबिनट में छुप कर जान बचाई है।
आखिरकार तू सही जगह पर पहुंच ही गया। पर तेरी उम्र बहुत लंबी है।
गलती भी करेगा तो काम सही ही होगा। अब तू जांबीलिया से निकल कर यहां चला आ..., बाय।

ये क्या कह रहे हैं, सर? सब कुछ तो उल्टा हो रहा है।
पहले मेट्रो गेम्स का लफड़ा, फिर जांबीलिया के जनरल का इतनी आसानी से पिट जाना और फिर हमारे लिए सारे रास्तों का बंद हो जाना।
रास्ते खुल गए हैं। साथ में हमारी आंखें भी खोलो। अगर हम पहले की तरह काम करते तो कब के गर्त में चले गए होते।
पर अब गर्त में जाएगा हिंदुस्तान। क्योंकि अब...

"टेस्टिंग इंडिया में ही की जाएगी।"
मैडम, अब तो चेकिंग-शेकिंग का चक्कर बंद कराएं। खतरा टल गया है।
हां मैडम! इससे मेट्रो गेम्स के काम में भी गति आएगी। माल टाइम पर जल्दी-जल्दी पहुंचेगा।
तुम्हारा क्या कहना है नागराज?
मैं इसके लिए हां कभी नहीं बोलूंगा निर्णय आप को ही लेना पड़ेगा।

ठीक है। पर अकस्मात् चेकिंग जारी रहेगी। ट्रक वाले ये ना समझें कि उन पर कोई रोक ही नहीं है।
और इतना बड़ा रिस्क लेने के बाद अब काम मुझे समय से पहले पूरा चाहिए।
होगा, मैडम। होगा।

MAHANAGAR

Mega

महानगर में इतनी शांति, इतनी देर तक पहले कभी नहीं रही।

कभी नहीं।

इसीलिए ये शांति...

डरावनी लग रही थी।
OBJECT

मिल गया।

क्या है भाई?
आप नए हैं क्या? ये मेट्रो गेम्स का सामान है। इनकी चेकिंग नहीं होती।
क्या सामान है इसमें?
मेट्रो गेम्स विलेज के जिम में लगने वाले इक्विपमेंट्स हैं।

ये रहे पेपर्स।
चेकिंग तो होगी। सारे ट्रक की।
पूरा सामान कंपनी पैक्ड है, साहिब। खोलोगे तो फिर हमारी डिलीवरी नहीं ली जाएगी।
ट्रक का बैक खोलो।

क्यों पेट पर लात मारते हो साहब? कुछ ले देके जाने दो गरीब को।
लाओ!

पर पहले नोट चेक कर लूं! बहुत नकली नोट आ गए हैं मार्केट में।
नोट तो नकली है! इस पर तो मेरी ही फोटो छपी है। अब तो तलाशी लेनी ही पड़ेगी। कहीं तुम नकली नोटों की स्मगलिंग तो नहीं कर रहे हो।
ये...ये कैसे? ये तो जादू है।

महानगर की किसी भी सड़क पर, किसी भी समय, कोई भी वाहन अगर एक मिनट भी रुक जाए...
पोंपों पोंपों।
तो जाम लगते देर नहीं लगती।
और ऐसे हर हादसे में छुपे खतरे को सूंघ निकालने में एक्सपर्ट होती हैं...

सर्प इंद्रियां।
ये क्या हो रहा है?
ट्रकों की जांच! और तुम बीच में मत पड़ो।
जब तुम चेकिंग कर रहे थे तो हमने कुछ कहा था क्या?
ये...ये जादूगर है, नागराज। देखो। देखो इसने पांच सौ के नोट के साथ क्या किया।
क्या किया?
ठीक तो है नोट।
ठीक है।। पर ...
पर। ये ये इंस्पेक्टर नहीं है नागराज। ये जादूगर है।
एक मिनट क्या मैं आपका आई-कार्ड देख सकता हूं इंस्पेक्टर। आप सबके?
क्यों नहीं। नागराज को अपने-अपने आई-कार्ड दिखाओ।
ये..तो एक ही हैं।
तो हम कौन से अलग-अलग हैं।

स्कैंजोपी को अपना काम करने दो, नागराज।
फायदा तुम्हारा ही होगा।
कौन हो तुम? और ट्रकों की तलाशी से तुम्हारा क्या मकसद पूरा होना है।
मकसद तुमको खतरे से बचाना है नागराज।
अगर कोई खतरा होगा तो हमें होगा और खतरे से खुद निपटना हमें आता है।
खतरा तो सामने आ चुका है नागराज और ये खेल तुम्हारे लेवल से ऊपर के लेवल का है।
इसमें टांग मत अड़ाओ वर्ना एकदम ऊपर के लेवल पर पहुंच जाओगे।

तुम्हारी भाषा तो आज के टीनएजर्स की भाषा से भी ज्यादा जटिल है। कुछ समझ में नहीं आया।

अब मुझे इस बात की कम परवाह है कि इन ट्रकों में कुछ आपत्तिजनक है या नहीं और इस बात की ज्यादा...

कि इन ट्रकों की तलाशी के पीछे तुम्हारा क्या मकसद है?

अब तू सर्प गोले में है जहां से तेरे फरिश्ते भी बाहर नहीं आ सकते।

पर तू आ सकता है स्कैनोपी।

सच बोल के..

अब अपना यहां आने का कारण बता। और...

अरे कारण बता तो दिया।

स्कैनोपी यहां पर ट्रकों की तलाशी के लिए आया था।

तूने सर्प गोला तोड़ डाला। कैसे?
जैसे कि अब मैं इस ट्रक की सूरत बदलने जा रहा हूं।
आयनिक प्रेशर से। स्कैनोपी स्कैन करता है और अणुओं को चार्जड आयन में बदलकर वस्तु का रूप बदल देता है।
एटॉमिक चार्ज के सामने पृथ्वी तो क्या ब्रह्मांड की कोई शक्ति नहीं टिक सकती।
आयनिक स्कैन बता रहा है कि हमको जो सामान चाहिए वह इस कार्टन के अंदर है।
बस! बहुत हो गया। तुमने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है।
तुम अभी तक समझे नहीं नागराज। मैंने तुमको चेतावनी दी थी। पर तुम्हारी टांगें ज्यादा लंबी हैं और समझ छोटी।

सॉरी नागराज!
हम तो इस टकराव को टालना चाहते थे।
पर तुम खुद टलने की जिद ठाने बैठे थे।
नागराज द्वारा इस वार से बचने का तरीका सोचने से पहले ही...
उसकी सोच ही खत्म हो चुकी थी।
चैक करो। सभी ट्रकों को स्कैन करो। हो सकता है कि हमारा कंसाइनमेंट कई भागों में हो।

स्कैनोपीज को ज्यादा वक्त नहीं लगा।
एक यहां पर है। ट्रीडमिल की कनवेयर बेल्ट के अंदर।
एक इधर भी है। वेट मशीन की रॉड्स के अंदर।
यहां भी एक हिस्सा है।
एक मुझे भी मिला।
गुड! अब यहां पर और हिस्से नहीं हैं। यहां का काम पूरा हुआ।
बस, नागराज के मरने का अफसोस रह गया।
और वह तुम्हारे सामने है।
तू...तू जिंदा है। कैसे?
तड़.
अपनी लाईफ में तो ये सब चलता रहता है।
न कोई भाई, न बहन, न मां।
पर क्या करें?
न कोई बाप...
बाप तो है।
मैं कणों में टूटने और जुड़ने की एक्सरसाईज तो रोज सुबह एक बार ऐसे ही कर लेता हूं। तुम्हारी कोई ऊर्जा मेरी इच्छाधारी शक्ति के बंधनों को नहीं तोड़ सकती।

पर मैं इनकी लोकेशन ट्रेस होते ही तुरंत निकल पड़ा। क्योंकि अगर मैं इनको खतरा मोल लेकर यहां पर हासिल न करता तो हो सकता था कि इनको किसी और जगह पर तुरंत ट्रांसफर कर दिया जाता।

ओह! यानी तुम किसी और का माल उड़ा रहे थे। मैं कहानी को बीच में से सुन रहा हूं।

अब मैं तुझसे इस कहानी की शुरुआत जानना चाहता हूं।

कहानी का अंत मैं खुद लिख दूंगा।

कहानी की शुरुआत जानना ही तुम्हारे अंत का कारण बन जाएगा नागराज।

मैंने कहा न कि ये खेल तुम्हारे लेवल से थोड़ा ऊपर का है। तुम अपने हाथ में पुर्जे नहीं अपनी दर्दनाक मौत को थामे हुए हो।

और न ही तुम्हारे सांपों के बस में है मुझे मार पाना।
अब देख कि मैं तुझे स्कैन करके तेरा क्या हाल करता हूं।
वैसे आज तक मैंने किसी जीवित वस्तु का स्वरूप बदलने की कोशिश तो नहीं की है, पर हर काम कभी न कभी पहली बार तो करना ही पड़ता है।
कुछ नहीं हुआ। तुम्हारी कोशिश बेकार है, स्कैनोपी। तुम्हारी शक्ति जीवित वस्तुओं पर सचमुच काम नहीं करती।
तुम्हारी शक्ति है लेजर स्कैनर।
पर तब क्या होगा जब इसका सामना सर्प मणियों की प्रकाश किरणों से होगा।
जो किसी भी लेजर से कई गुना अधिक शक्तिशाली हैं।
ओह! इनकी चमक ने मुझे अंधा कर दिया है। मेरा स्कैनर भी इसकी गर्मी को सह नहीं पा रहा है। अब तूने हद कर दी है नागराज।
दोनों के बीच में जारी ये द्वंद्व अभी और लंबा खिंचता।
अगर वे चीखें उनका ध्यान बंटा न देतीं।

अरे! ये सूखी खाल और सूर्य जैसी चमकती आंखों वाला कौन है जो तुम्हारे रूपों से इतनी आसानी से मशीनी पुर्जे छीन रहा है।
मुझे...मुझे कुछ दिख नहीं रहा है। पर ये वही खतरा है जिसका जिक्र मैं तुमसे कर रहा था। अगर ये पुर्जे अभी तक तुम्हारे हाथों में होते तो इसका शिकार तुम होते।
मूर्ख!
पर...ये है कौन?
हुलिया सुनने से तो ये प्लाज़ीमिर लग रहा है। इस दुनिया का सबसे खतरनाक और सबसे महंगा कांट्रैक्ट किलर।

और अगर ये पुर्जे इसके हाथ लग गए तो ये ना जाने कितने इंसानों का किलर बन जाएगा। वह भी एक झटके में।
कुछ समझ में नहीं आया। पर तुम्हारी एक बात सही सिद्ध हुई है। इसीलिए फिलहाल मैं तुमसे अपना हिसाब बाद में बराबर करूंगा।
पर दो की लड़ाई में...
...तीसरे का फायदा नहीं होने दूंगा।
चाहे वह टक्कर कुछ सेकेंड्स की ही क्यों न हो।
नागराजा फूहाSSSSS!!! मैं तो डर गया था कि कहीं तू डर से मर न जाए।
पर तूने मुझे वह मौका दे ही दिया। जिसका सपना मैं जागते हुए भी देखता था।
सबसे बड़े आतंकहर्ता से सबसे बड़े आतंक की टक्कर!!!
मेरा भी यही अनुमान है। तुमको ज्यादा देर तक पीटते रहने लायक टाईम है भी नहीं मेरे पास।

आऊ! क्या है ऐसा इस आग के गोले में? छूते ही गर्म तो लगा ही, साथ ही ऐसा लगा कि पूरे शरीर में करंट दौड़ गया हो।
क्योंकि अब मेरे हाथ तुझे पीटने के लिए खाली हैं।
ओफ! आखिर ये बला है क्या?
ये...ये क्या हो रहा है!
पुर्जे मुझसे छिन रहे हैं!
चकित हो गया न, नागराज! तू जो काम सांपों से करता है वह मैं इनकी मदद से करता हूं!
पर तूने मुझे ऐसा करने पर मजबूर करके अच्छा ही किया।

बला मेरे शरीर में घुसी तो मुझे बला तो बनना ही था। रूस के चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में काम करता था मैं। वहां का जूनियर कंट्रोल पेनल ऑपरेटर।
क्योंकि मैं अब मर तो सकता नहीं, सिर्फ मार ही सकता हूं।
वहां पर हुई विनाशकारी दुर्घटना के बारे में तो सुना ही होगा तूने।
मैं उसकी चपेट में आने वाला पहला व्यक्ति था। एटॉमिक ब्लास्ट ने पानी सोख लिया था मेरे शरीर का।
डॉक्टरों ने रेडिएशन के डर से मुझे हाथ लगाने से भी मना कर दिया। लगभग मृत हो चुका था मैं। और फिर मुझे मृतकों के साथ ही दफना दिया गया।
पर मेरे शरीर में जीवन ऊर्जा एटॉमिक एनर्जी का प्लाज़मा रूप बनकर दौड़ने लगी थी। मैं जमीन का सीना चीर कर बाहर आ गया।
पर मेरी कद्र वर्ल्ड से ज्यादा अंडरवर्ल्ड ने समझी और मैं बन गया कांट्रेक्ट किलर।
तूने सैंपल तो देख ही लिया।
अब तू मुझसे बचकर दिखा। खुल्ला चैलेंज है मेरा।
तुम्हारे जैसों की अक्ल ठीक करना किसी चैलेंज से कम है क्या?

क्या पागल हो गया है तू? जान जाने वाली है, फिर भी तू पुर्जों को ही हथियाने के पीछे पड़ा है।
ठीक तेरी तरह...
अब अगर तू मेरे ऊपर वार करेगा तो तुझे इन मशीनी पुर्जों को भी काटना पड़ेगा जिनको ले जाने का कांट्रेक्ट तूने लिया है।
हैं...आ...ह...
और अपने ही कांट्रेक्ट को नुकसान पहुंचाना तेरे कांट्रेक्ट किलिंग कैरियर के लिए अच्छा नहीं होगा।
मेरे पास तुझको बांधने लायक शक्तियां नहीं हैं। पर इनके पास जरूर होंगी। हे देव कालजयी के नागफनी सर्पों मुझे उचित शक्ति प्रदान करें।
ओऽऽऽऽआआ। ये...ये कैसी पॉवर है।
ये...ये मेरी रगों में बहते प्लाज्मा के बहाव को रोक रही है।
पर मैं जल्दी ही इस बंधन को तोड़ दूंगा।
ये सही कह रहा है, नागराज। कोई भी बंधन इसको ज्यादा देर तक कैद में नहीं रख सकता।
जब तक ये विवश है, हमको उतनी ही देर में इसको काबू में करने का रास्ता ढूंढ लेना होगा।
और ये हमको इसकी रगों में प्लाज्मा की गति बढ़ने से पहले ही करना होगा।
एक मिनट।

मैं...मैं इस के शरीर के अंदर देख रहा हूं! पर कैसे? प्लाज्मा की चमक के आगे तो कोई स्कैन काम नहीं कर सकता।
अभी साईंस पढ़ना छोड़ो और ये बताओ कि नजर क्या आ रहा है।
इंसानों की तरह इसके सीने में भी दिल जैसा एक पॉवर सोर्स नजर आ रहा है। और ये उस पॉवर सोर्स की तीव्रता को छटपटा कर बढ़ा रहा है।
पर सवाल यह है कि बिना भस्म हुए इसके दिल तक पहुंचा कैसे जाएगा।
प्लाज्मा भी मैटर का ही एक रूप होता है। अब जब मैं इसको स्कैन कर पा रहा हूं तो मैं इसके दिल का स्वरूप बदलने की कोशिश करता हूं।
ओफ! इसके प्लाज्मा की ऊर्जा तरंगों के माध्यम से मुझ तक पहुंच रही है।
मैं ज्यादा देर तक इसकी गति को रोक नहीं पाऊंगा।
फटाक
ओफ! अब समय नहीं है। एक बार यह आजाद हो गया तो इसको रोकना और अपनी जान बचानी मुश्किल हो जाएगी।
तुम मुझको इसके दिल की सही जगह बताओ।

बाकी का काम मेरे रॉड पाइथन कर लेंगे। उम्मीद यही है कि ये गलने से पहले कम से कम इसके दिल को क्षति ग्रस्त जरूर कर देंगे।
थोड़ा दाईं तरफ। राइट... बस।
ओफ्! मेरे सर्प इसका सामना नहीं कर सकते।
और ये आजाद हो रहा है। बस! अब मैं और इंतजार नहीं कर सकता।
तुम...तुम ये क्या कर रहे हो?
अंतिम वार।
या तो इसके लिए या मेरे लिए।
ओ माई गॉड। ओ माई गॉड। थोड़ा ऊपर। थोड़ा ऊपर।
आऽऽऽऽह। इसका दिल मेरी मुट्ठी में आ चुका है।...अब बस...इसको...
मसलना बाकी है। आऽऽऽऽह।

ओ माई गॉड। लगता है इन दोनों में से कोई नहीं बचेगा।
असंभव। स्कैनोपी को आज अपने स्कैन पर भी यकीन नहीं हो रहा है।
तुमने प्लाजीमिर को खत्म कर दिया और...और तुम बच भी गए। कैसे?
कैसे तो मुझे भी नहीं पता। यही कह सकता हूं कि हिम्मत करने वाले की मदद ईश्वर भी करता है।
अब तो यह बात मुझे भी माननी ही पड़ेगी।
तो क्या अब मुझे ये पुर्जे हासिल करने के लिए तुमसे फिर से लड़ना पड़ेगा।
मेरी शामत आई है क्या जो तुमसे लड़ूं। न बाबा ना पुर्जे तुम ले लेना। पर पहले सच्चाई तो जान लो।
बोलो। क्या है सच्चाई।
सच्चाई सुनने की नहीं देखने की चीज है। चलो मेरे साथ।
वहीं पर है वह सच्चाई।
ये बिल्डिंग! जहां तक मैं जानता हूं, ये बिल्डिंग तो खाली है।

बिल्डिंग खाली है। पर बेसमेंट नहीं।
ओह। कमाल है। क्या है यहां पर?
ये क्या है?
एक अत्यंत गुप्त अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी HIT का इंडियन हेडक्वार्टर। HIT यानी HEADQUARTER OF INTELLIGENCE AGANIST TERRORISM.
कभी नाम नहीं सुना।
मैंने कहा न कि अत्यंत गुप्त संस्था। गुप्त इसलिए क्योंकि इसको कई देशों में ऐसे काम शॉर्ट नोटिस पर करने होते हैं जिनकी या तो जानकारी उनको नहीं दी जा सकती, या फिर उनकी इजाजत का इंतजार नहीं किया जा सकता।
फिलहाल इन दोनों में से कौन सी स्थिति महानगर में है?
महानगर या कहो हिंदुस्तान अंजाने में एक बड़े षड्यंत्र का स्टेज बन रहा है और उसे इस बात का एहसास नहीं है।
शॉर्ट में समझाओ।
तो सुनो। आज से लगभग एक साल पहले अमेरिकन डिफेंस लैब से एक नए महाघातक विस्फोटक के हिस्से और ब्लूप्रिंट चुरा लिए गए।
चोरों को पकड़ लिया गया। ये लैब के ही कुछ जूनियर वैज्ञानिक थे। पर उन पुर्जों को खरीदने वाले का पता नहीं चल पाया।

पर अमेरिका यह काम छुपकर तुम जैसे लोगों की मदद से क्यों करना चाहता है।

इस दुनिया के 90 प्रतिशत देशों में इतनी सुविधाएं नहीं है कि वे उस खतरे को ढूंढ सकें।

और मजबूरन अमेरिका को पूरी दुनिया के हर देश की सिक्योरिटी एजेंसी को रेड एलर्ट करना पड़ा और HIT को उस विस्फोटक 'एनाईहिलेटर' को ढूढने के काम पर लगा दिया गया। मैं खुद एक अमेरिकन एजेंट हूं।

और वे घरेलू कारणों की वजह से अमेरिकनों को अपनी धरती पर आने नहीं देना चाहते। इसीलिए दुनिया को बचाने के लिए हमको ये चुपचाप वाला रास्ता अपनाना पड़ता है।

खैर पर उस विस्फोटक में ऐसा है क्या?

एनाइहिलेटर, न्यूक्लियर हथियार न होते हुए भी परमाणु बम से कम घातक नहीं है। और साइज में वह कुर्सी से ज्यादा बड़ा नहीं होता है। ये देखो।

ये देखो। हम जो पुर्जे लेकर आए हैं वे एनाइहिलेटर के ही हिस्से हैं।

ये है एनाईहिलेटर।

इस बम को चुराने वालों के लिए इसे बेचना मुश्किल होता जा रहा था। क्योंकि अमेरिका सहित हर देश की नजरें उन देशों पर गड़ी थीं जो इस तकनीक को खरीदने में दिलचस्पी रखते थे।

फिर हमको एक गुप्त सूचना मिली। जिसके अनुसार एनाइहिलेटर की डील एक बड़ी अंतर्राष्ट्रीय मीट यानि मेट्रो गेम्स के दौरान की जाएगी।

डील के लिए गेम शुरू होने से पहले एनाइहिलेटर के पुर्जों को महानगर के अंदर लाया जाना जरूरी था। इसी शक के आधार पर मैंने महानगर में चारों तरफ ट्रैकर लगाए थे और आखिरकार एक ट्रैकर ने इन पुर्जों को ढूंढ निकाला।

यानि अगर ट्रकों की हड़ताल न होती तो ये पुर्जे महानगर में पहले ही पहुंच गए होते।

अब समझ में आया। जरूर जनरल मुटावे इस बम को हथियाना चाहता होगा। और इसके लिए सबसे आसान रास्ता था अपने ही देश में मेट्रो गेम कराना।

इसीलिए मेजबानी मिलने में असफल रहने पर भी उसने कोशिशें जारी रखीं।

और अगर ये शक सही है तो खतरा खत्म हो चुका है। जनरल मुटाबे की सत्ता जा चुकी है। लेकिन फिर वह ब्लाजीमिर किसके कहने पर एनाइहिलेटर को लेने आया था।
हो सकता है कि उसको जनरल ने यह कांट्रैक्ट पहले का ही दिया हुआ हो। पर तुमको यहां पर लाने का मकसद तुम्हारा शक दूर करना है।

क्योंकि अब हम तुम्हारे सामने एनाइहिलेटर को इंडिया में अमेरिकी राजदूत को सौंपेंगे।
अरे। ये तो सच में अमेरिकी राजदूत है।

थैंक्यू नागराज। यह खतरा सिर्फ तुम्हारे कारण ही टल पाया है।
मुझे खुशी है कि मैं आपके काम आ सका।

महानगर एक बड़े खतरे का केंद्र बनने से बच गया था।
और वह अच्छा ही हुआ था।
क्योंकि महानगर में मेट्रो गेम्स के प्रतियोगियों का आना शुरू हो चुका था।
थैंक्यू। हम म्यूनिख से अपना थोड़ा एपारेटस भी लाया है। उसको संभाल कर ले जाने का।

सही मायनों में खेल अब शुरू होने वाला था।
अब किस सोच में हो नागराज? गेम्स शुरू हो गए हैं और खत्म भी हो जाएंगे।
सिर्फ तुम्हारे कारण।
और अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह भी होगा सिर्फ मेरे कारण।

ऐसा सोचने का कारण?
मुझे ये पूरी कहानी अभी भी परेशान कर रही है। कहीं पर कुछ गड़बड़ छूट रही है।
कोई गड़बड़ नहीं है। स्कैनोपी की कहानी सच है। हमारे पास अमेरिकी सरकार की वह कंफर्मेशन आ चुकी है जो उन्होंने हमारी सरकार को भेजी है।
धन्यवाद के साथ।

क्या हुआ नागराज।
सं...सांप! सांप!!
Metro Meet 2011
शाबाश। तूने एक बड़ी मुसीबत टाल दी।
मुसीबत टली कहां? ये सांप ही तो मुसीबत है। इसे तुमने छोड़ा है क्या?
ये मुसीबत से बचाने वाला है। मुसीबत तो...
ये है।
लैंड माइन। ट्रैक के नीचे लैंड माइन फिट थी। ओ माइ गॉड।
क्या हुआ नागराज?
ट्रैक पर ये लैंड माइन कहां से आई।
पता नहीं नागराज। स्टेडियम में तो प्रैक्टिस करने आने वाले एथलीटों के अलावा तो किसी को घुसने ही नहीं दिया गया...
हैSSS
ओ गॉड। यहां पर भी बम है।

ये पूरा स्टेडियम BOOBY TRAPPED है। सबको यहां से बाहर निकालो।

घबराओ नहीं मुझे पता है कि बम कहां-कहां पर हैं।

यानि तू ही है बम।

बता। कौन है तू और अंदर कैसे? ये क्या?

अच्छा हुआ कि मैं सावधान होकर आया था।

वर्ना तू तो पेट पर मुक्का मार कर मेरा असली सिर तोड़ देता।

कौन है तू? क्यों लगाए तूने बम? बता कहां पर हैं और बम?

ओ.के.। प्रश्न एक उत्तर एक। मेरा नाम जुश्कुपुश्का है। कठिन है इसीलिए लोग मुझे बमबम बुलाते हैं।

प्रश्न दो, उत्तर दो। बम लगाने का मकसद दहशत फैलाना है।

और प्रश्न तीन का उत्तर है, तू नागराज।

ये कैसा जवाब है। लगता है तू अपना असली सिर तुड़वा कर ही मानेगा।

ना! ना! अच्छा तू जरा उस बोर्ड के नीचे देख। बम है क्या?
ये भागने के लिए मेरा ध्यान तो नहीं बंटा रहा है। इसको मैं नजरों से दूर नहीं होने...
समझा, नागराज। वह बम है तू!
हाहाहा। स्टेडियम में लगे टेलीकास्ट कैमरे ऑन हो रहे हैं। अब सभी देखेंगे तुझे बम बनते हुए।
ये क्या हो रहा है? नागराज क्या सचमुच फट रहा है।
और ये गुटका कौन है।
और आधा महानगर सपाट हो जाएगा। हर इमारत साईज में मेरे जितनी हो जाएगी। ये है जनरल मोटाबे का बदला।
मोटाबे!!!
देखो महानगर वालों। तुम्हारा रक्षक ही तुम्हारा भक्षक बन गया है। अभी इसके बदन के अंदर के नाग फट रहे हैं। थोड़ी ही देर में नागराज फटेगा।

बूऽम

ओफ्! हर धमाका जैसे मेरे शरीर के हर एक सेल में हो रहा है।

ये बौना ऐसा कैसे कर पा रहा है।

आहऽऽऽ! अब कुछ बेहतर लग रहा है। हालांकि धमाके अभी भी हो रहे हैं। पर जमीन से संपर्क हटते ही इनकी तीव्रता कम हो गई है।

बस! अब या तो तू बताएगा कि ऐसा तू कैसे कर पा रहा है।

वर्ना तू भी मेरे साथ मरेगा। अरे! धमाका क्यों नहीं हुआ। तू भी तो जमीन से जुड़ा हुआ है।

छोटे लोग जमीन से ही जुड़े होते हैं।

हवा में तो बड़े लोग ही उड़ते हैं।

आऽऽऽहा!

ओह! धमाकों की तीव्रता बढ़ रही है।

हाहाहा! ये है जनरल का बदला नागराज।

उड़ी! अब ये फटेगा। मैं तो चला। पांच मिनटों में यहां से कम से कम पांच किलोमीटर दूर पहुंचना है।

बाय महानगर वालों! तुम लोग अगर जिंदा रहे तो फिर मिलेंगे।

मरवा देगा नागराज! बड़े-बड़े विलेन मारने इसको आते हैं मारे जाते हैं हम!

हां! अब याद आता है कि इसके आने से पहले महानगर ज्यादा शांत था।

हां! मैं तो कहती हूं कि आखिर यहां पर...

क्यों है नागराज?

चलो भागो! टी. वी. देखते देखते मरना चाहते हो क्या?

नागराज के रहते कुछ नहीं होगा! वह अपनी जान दांव पर लगा देगा पर एक निर्दोष जान का भी नुकसान नहीं होने देगा।

करेक्ट मॉम! सोचिए पापा, अगर नागराज न होता और तब ये मुसीबत आती तो क्या होता?

ओफ्! मैं अपने ही शरीर में हो रहे धमाकों का कारण ढूंढ नहीं पा रहा हूं! और इनकी तीव्रता बढ़ती जा रही है।

अब मैं अपने आप को और संभाल नहीं सकता।
पर मैं अपने कारण महानगर की एक ईंट भी हिलने नहीं दूंगा।

नागराज फटने वाला है। अब महानगर में कुछ नहीं बचेगा।

NEELKAMA
भागो नागराज फटने वाला है।

रुको। नागराज तो और ऊपर जा रहा है। वह हमसे दूर जा रहा है।

"वह अपनी मौत को हमारी मौत बनने नहीं देना चाहता।"

"और ऐसा वही कर सकता है जो दूसरों की जानों को..."

"अपनी जान से ज्यादा प्यार करता हो।"
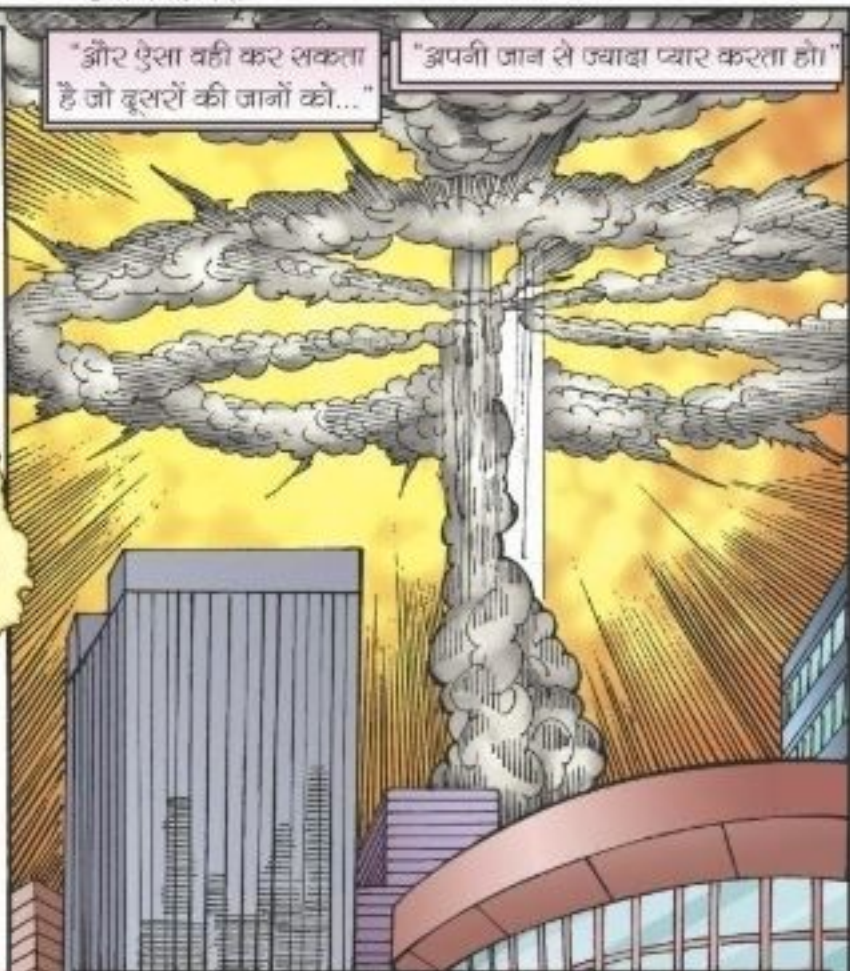
नागराज!

भगवान ने नागराज को सद्बुद्धि दी। ये वहां जाकर फटा जहां से हमको या महानगर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ओ गॉड! नागराज...फट गया।

जिससे नागराज नहीं बचा उससे हमें कौन बचाएगा?

अब मैं तो एक मिनट भी महानगर में नहीं रुकूंगी।

भाड़ में जाए महानगर और मेट्रो गेम्स।

यहां रुके तो मैडल के बजाए हमारी जान दांव पर लग जाएगी। चलो, मैनेजर से बात करके वापस जाने का इंतजाम करते हैं।
ये...ये नहीं हो सकता है। आप उन देशों के एंबेसडर्स को समझा दो मंत्री जी।
वर्ना...वर्ना हमारी मेट्रो गेम्स कराने की मेहनत पर पानी फिर जाएगा।
पानी फिर चुका है, मेडम और वो मेट्रो गेम्स को बहाकर ले गया है। आपको शायद पता नहीं है...
"कि लगभग 70 प्रतिशत देशों ने अपने खिलाड़ियों को वापस ले जाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट्स भेज भी दी हैं।"
"महानगर एयर पोर्ट पर बुरा हाल हो रहा है। हमारा मौजूदा स्टाफ इस रश को संभालने के लिए नाकाफी साबित हो रहा है।"
"सुरक्षा कर्मी भी बस मूक दर्शक बने हुए हैं।"
"अब इसका क्या परिणाम होगा। यह तो बस खुदा ही बता सकता है।"
गेम खत्म हुए, शेख्स।
और ये ट्रॉफी आप जीत गए।

हाहाहा! आखिरकार एनाईहिलेटर मेरा हुआ! अब इसकी मदद से मैं पूरे मिडिल ईस्ट का मालिक बन जाऊंगा! पूरी दुनिया का तेल मेरी मुट्ठी में होगा!
कितने खजूर सुखा डाले मैंने इसको पाने में। मेट्रो गेम्स तक का इंतजार किया।
चाहता तो था मैं कि मेट्रो गेम्स मेरे देश में हो और उसकी आड़ में अमेरिका, नाटो या संयुक्त राष्ट्र की नजर में आए बगैर एनाइहिलेटर मुझ तक पहुंच जाए।
पर हिंदुस्तानियों ने सब गड़बड़ कर दिया। रही सही कसर उस जनरल मुटावे ने पूरी कर दी।
पर आप भी तो सबके बाप निकले। पहले कैसे कोशिश की कि महानगर में गेम्स की तैयारियों में अड़ंगा लगे और आरोप आए जांबीलिया पर। ऐसे महानगर में तैयारी अधूरी रहने पर और जांबीलिया के आरोपी देश बनने पर आपको मेजबानी मिल जाती।
नागराज मिलने देता तब ना।
उसने तो जैसे कसम खा रखी थी महानगर में ही गेम्स कराने की। मैंने इतनी मुश्किल से अफ्रीका से एसेसिन्स को बुलाया था ताकि शक जनरल पर जाए और वे तैयारियों का सत्यानाश कर दें।
तैयारियों का तो कुछ न बिगड़ा पर जनरल का सत्यानाश हो गया।
फिर मैंने चाल भी तो बदल दी। मालवानी भाईयों की ट्रक कंपनी को हरे नोटों की चादर चढ़ा दी।
और वह गड़बड़ करनी जरूरी थी। वर्ना नागराज के नाग तलाशी लेते रहते और एनाइहिलेटर के पार्ट्स कभी न तो महानगर के अंदर आ पाते...

"ऐसा लगता है कि नागराज की मृत्यु से पूरी दुनिया के सांप क्रुद्ध होकर फुफकार मार रहे हैं।"

"प्लेन का उड़ पाना असंभव है। अगर इंजन में सांप घुस गया तो प्लेन उड़ने पर क्रैश भी हो सकता है।"

"तो अब क्या करना है?"

"हेलीकॉप्टर मंगवाता हूं, शेख। इससे पहले कि अमेरिका या नाटो को हमारे इरादों की भनक भी लगे..."

"हम यहां से निकल जाएंगे।"

तुम दोनों अमेरिका और नाटो से खामख्वाह में ही डर रहे हो।
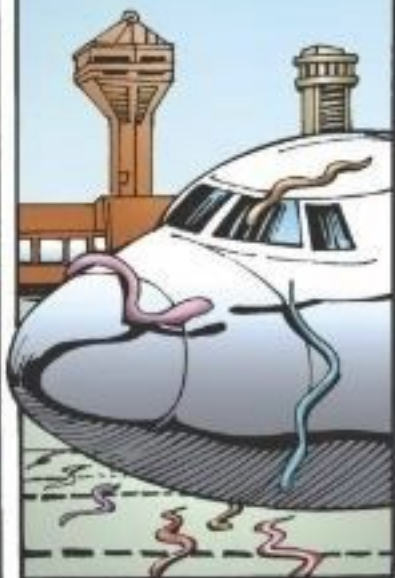
जबकि डरना तो तुमको हिंदुस्तानियों से चाहिए। क्योंकि फिलहाल तुम उनके ही अपराधी हो।

तू...तू बच कैसे गया? मैंने तो तुझे एटम बम की तरह फटते देखा था।

सही देखा था। मैं सचमुच में फटा था पर जानबूझ कर। ताकि मैं अपने शरीर में मौजूद कुछ अनचाही चीजों को बाहर करके अपने शरीर के कणों को फिर से समेट लूं।

वैसे, शेखजी। आपको बमबम को कसकर डांटना चाहिए। एक दो चपत भी लगानी चाहिए। इसी के कारण आपका प्लान फेल हुआ है।

मे...मेरे कारण? मैंने क्या किया?

मैंने देखा कि जब तू मुझ पर रिमोट के जरिए सिरकटे छोड़ रहा है तो मैंने तेरे रिमोट से बैट्री का कनेक्शन काटने के लिए एक सूक्ष्मसर्प को भेजा! तो पता चला कि रिमोट में बैटरी नाम की चीज तो थी ही नहीं।

सत्यानाश

उसकी जरूरत थी ही नहीं। मैंने सोचा खामख्वाह में पैसे क्यों बर्बाद करूं।

तभी मैं समझ गया कि ये नाटक मेरा ध्यान भटकाने के लिए है। असली बात कुछ और ही है।

तब मुझे प्लाजीमिर का ध्यान आया जो मेरे शरीर में खिंच गया था। जरा सा दिमाग पर जोर डाला और मुझे सब समझ में आ गया।

प्लाजीमिर को बुलाया ही इसलिए गया था ताकि वह मेरे शरीर में ऐसी एनर्जी डाल दे कि जिसका प्रयोग बाद में तुम कर सको।

तुम्हारे सिरकटे पुतलों के अंदर प्लाजीमिर की ऊर्जा की उलट ऊर्जा थी। इसीलिए उनके छूते ही मुझमें धमाके हो रहे थे। वही ऊर्जा तुमने स्टेडियम की जमीन में फैला रखी थी।
मैं इसीलिए फटा ताकि मैं प्लाजीमिर की ऊर्जा को अपने शरीर से अलग कर सकूं।
तुम्हारा तो अफरातफरी फैलाने का मकसद पूरा हो गया था। पर मुझे तुम्हारी इस हरकत का कारण जानना था। क्योंकि मैं तो समझ रहा था कि ये मसला खत्म हो गया था।
अब मेरे पास छानबीन का एक ही सूत्र बचा था। स्कैनोपी।
"और मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि स्कैनोपी अपना काम पूरा हो जाने के बाद भी महानगर के हैडक्वार्टर में ही रुका हुआ था।"
"और मेरे मरने की खुशी मना रहा था..."
थोड़ी सी मेहनत के बाद ही उसने पूरा प्लान उगल दिया कि वह असली अमेरिकन एजेंट होते हुए भी तुम्हारे साथ मिलकर अपने ही देश को डबल क्रॉस कर रहा था। और कैसे उसने नकली पुर्जों से बने उस एनाइहिलेटर को असली बताकर चुपचाप अमेरिका भिजवा कर केस को बंद करवा दिया था।
लेकिन तुम्हारा सारा प्रयास बेकार रहा नागराज। क्योंकि इतनी देर में एनाइहिलेटर के पुर्जे अपने खिलाड़ियों के समानों के जरिए मुझ तक पहुंच चुके थे।
मैं चाहता था कि ये सारा काम मेरे देश में ही हो। पर मौत अगर तुम्हारे देश पर मंडराने की इच्छा रख रही थी तो भला मैं क्या करता।
अब तुम्हारे पास दो रास्ते हैं।
या तो मुझे एनाइहिलेटर समेत यहां से शांति से जाने दो।
या फिर मुझे एनाइहिलेटर की टेस्टिंग यहीं पर करनी पड़ेगी।
तुम्हारे प्यारे महानगर में।

ये बेवकूफी की तो तुम भी नहीं बचोगे।
अगर पूरी जिंदगी की मेहनत ऐसे मिट्टी में मिल जाए तो जी के करना भी क्या है?
ये...ये बूढ़ा पागल हो गया है।
तुम चुप हो नागराज। यानि तुम मेरी एक जान के बदले पूरे महानगर की जान दांव पर लगाने के लिए तैयार हो।
ठीक है। ऐसा है तो...
तो ऐसा ही सही।
एक इंसान के बदले की हवस...
घर्र्र्रर्र
हा हा हा

कई इंसानों के लिए...

हंसी का कारण बनने जा रही थी।
ये...ये क्या? ये तो।

नकली था ये तरीका सिर्फ स्कैनोपी ही नहीं जानता है।
पर...मेरी टीम मेंबर्स के पास तो असली पुर्जे पहुंचाए गए थे।
यानि उन्होंने मेरे साथ धोखा किया।

असली पुर्जे पहुंचे तो जरूर थे। पर असली प्लेयर्स के पास।
तुमको ये नकली पुर्जे तो नकली प्लेयर्स ने सप्लाई किए हैं।
नकली प्लेयर्स।! यानि..ये...ये

ये तो मेरे इच्छाधारी सर्प हैं। अब क्या करूं। फटाफट में यही तरीका सूझा।

तूने सचमुच में बाजी पलट दी है नागराज।
अब मेरे हाथ में कुछ भी नहीं है।

पर मेरी कलाई पर कुछ है।
ये...ये क्या है? इस पागल बुड्ढे ने कलाई से क्या किया है?
इस प्लेन को उड़ाया है। इस प्लेन के ऑटो पायलट के सारे कंट्रोल मेरे ब्रेसलेट में हैं...

और अब इसका निशाना मेट्रो गेम्स का खेल गांव है। दो मिनटों में खेलगांव और तुम्हारा मेन स्टेडियम नेस्तनाबूद हो जाएगा।
और साथ में तुम और तुम्हारी नकली टीम भी।
नागराज के रहते ऐसा कुछ नहीं होगा।
मुझे भी अपने बदन में घुसा लो। मुझे मरने से बहुत डर लगता है।
न मेरी टीम को कोई नुकसान पहुंचेगा और न ही महानगर की एक भी ईंट को।
तेरे जैसे शैतान के नर्क पहुंचने की आशंका से तो यमराज भी डरते होंगे...
इसीलिए तुझे तो बचाना ही होगा। और तू बचेगा तो बाकी और भी क्यों मरें?
पहले कई लोग पूछ रहे थे कि क्यों है नागराज? अब उनको जवाब मिल जाएगा।
अरे मैं तो अब पूछ रही हूं कि कहां है नागराज?
ओ गॉड! अब ये क्या है? महानगर में खेल हो रहे हैं। या महानगर के साथ खेल खेला जा रहा है।

"उसे तो मौत भी हमारी सुरक्षा करने से रोक नहीं सकती।"
अब तेरी बारी है, शेख!
मैं बचा तो तू जीत जाएगा। मैं तुझे जीतने नहीं दे सकता।
मुझे पहले गिरते प्लेन की दिशा बदलनी चाहिए।
पर इस प्रयास में मैं कितना सफल हो पाऊंगा...
...ये कहना मुश्किल है। उम्ममफ!
अब तू कुछ भी नहीं कर सकता नागराज! पीछे देख! वह रहा खेल गांव और मेन स्टेडियम!

हाहाहा!

हाहाहाहाहा!

हीहीहीहूहूहूहाहा!
खेल खत्मऽऽऽऽ

हां, शेखा खेल खत्म हुआ।

...पर तुम्हारा!

"और सफलता पूर्वक खत्म भी होंगे।"

और इसके साथ ही मैं पच्चीसवें मेट्रो गेम्स के समापन का ऐलान करती हूं।
लेकिन इससे पहले मैं आपको एक खास सर्वे का नतीजा बताना चाहती हूं।
ये मेट्रो गेम्स महानगर में सिर्फ नागराज की मौजूदगी के कारण ही सफलता पूर्वक संपन्न हो पाए। वर्ना हथियारों के सौदागरों ने इसको भी मंडी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।
BHARTI NEWS
मेट्रो गेम्स की तैयारियों के दौरान महानगर में कई मुसीबतें आईं। इतनी आईं कि हमने नागराज को ही उनका जिम्मेदार मानना शुरू कर दिया।
कई लोग यह तक कहने लगे कि महानगर में आखिर क्यों है नागराज?
हमने फेसबुक, ऑरकुट और अपनी वेबसाइट पर एक सर्वे कराया। विश्व की हर उस मेट्रो में जहां पर मेट्रो गेम्स हो चुके हैं या हो सकते हैं से भी सर्वे कराया। और सर्वे में हमने उनसे पूछा कि क्या वे अपने शहर में नागराज जैसे किसी शख्स को चाहते हैं।
नतीजे रोचक रहे।
नब्बे प्रतिशत लोगों ने यह कहा कि आखिर उनके यहां क्यों नहीं है नागराज?
नागराज हमारा है। हम उसे कहीं जाने नहीं देंगे।
अरे हां गलती किससे नहीं होती।
अब ये कहना भूल जाओ कि क्यों है नागराज? अब तो वही कहो जो हम सब कहते हैं और फिर निश्चिंत हो जाते हैं। बोलो नागराज है ना।
समाप्त